INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

HINDI MEDIUM

राजस्थान
BSTC
(Pre. D.El. ED)

HANDWRITTEN NOTES

भाग-2 अंग्रेजी + शिक्षण अभिक्षमता

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान BSTC

(Pre.D.El.ED)

भाग – 2

अंग्रेजी + शिक्षण अभिक्षमता

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**राजस्थान BSTC (Pre. D.El.Ed.)**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। ये नोट्स पाठकों को "**प्रारंभिक शिक्षा विभाग –बीकानेर**" द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**राजस्थान BSTC (Pre. D.El.Ed.)" की** परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें।*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302017 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Whatsapp करें - https://wa.link/l6dgy4

Online Order करें - https://bit.ly/bstc-notes

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

Sr. No.	Chapter	Page
1.	SPOTTING ERRORS • ARTICLE • Noun • PRONOUN • ADJECTIVE • THE VERB • Modal Verbs • ADVERB • PREPOSITION • CONJUNCTION	1
2.	Time and Tense	74
3.	Subject and verb agreement	87
4.	Spotting error exercise	91
5.	Active and Passive Voice	95
6.	Direct and Indirect Narration	105
7.	Sentence correction / Improvement of Sentences	113
8.	Synonyms, Antonyms	118
9.	Spelling rules	140
10.	One word substitution	144

11.	Kind of sentence	159
12.	Fillers / Fill in the blanks	160
13.	Reading comprehension	165
	शिक्षण अभिक्षमता	
1.	शिक्षण अधिगम	179
2.	नेतृत्व गुण	183
3.	सृजनात्मकता	185
4.	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन	188
5.	सम्प्रेषण कौशल	194
6.	व्यवसायिक अभिवृत्ति	197
7.	सामाजिक संवेदनशीलता	200
	• महत्वपूर्ण प्रश्न	
	• अभ्यास प्रश्न – 1	
	• अभ्यास प्रश्न – 2	
	• अंतिम वर्ष के प्रश्न उत्तर 2022	

CHAPTER – 1

SPOTTING ERRORS

ARTICLE

Articles ' **adjective'** के जैसे होते हैं, क्योंकि ये सामान्य (general) या विशेष (specific) रूप से noun की विशेषता बताते हैं।

Articles दो प्रकार के होते हैं :-

(1) Indefinite articles या general articles (A, An)

"A" और "An" indefinite articles होते हैं क्योंकि इनसे किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है। इनका प्रयोग countable nouns के एकवचन रूप (singular form) के साथ प्रयोग किये जाते हैं।

- This is **a** chair.
- I need **a** pen.
- There was **a** village.
- Sita sang **a** song.

(2) Definite articles या specific articles(The) :-

"The" definite article होता है। इससे किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है।

जैसे :- **The** saree is very costly.

इस वाक्य में किसी विशेष साड़ी की बात की गयी है, इसलिए यहाँ साड़ी से पहले The का प्रयोग किया गया है।

The sun sets in the west.

यहाँ sun एक विशेष (unique) वस्तु है और west एक विशेष (unique) दिशा (direction) है, इसलिए इनसे पहले the का प्रयोग किया गया है।

Ex:- The man who wrote this book is famous.

This is **the** best book of English.

ARTICLE का प्रयोग कहां होता है?

She is _________ excellent.

- कई लोग ' excellent ' देख तुरंत 'an' का प्रयोग कर देते हैं परंतु इस वाक्य में कोई article का प्रयोग नहीं होगा क्योंकि 'excellent ' के बाद कोई noun नहीं है।
- अगर किसी वाक्य में article है तो noun भी अवश्य होना चाहिए अगर ऐसा नही है तो वह वाक्य पूरी तरह से गलत होगा।

  जैसे :- she is an excellent student. (✓)

  Sakshi is an extremely beautiful. (×).

  (adverb) (adjective)

  यहाँ " extremely" adverb है और" beautiful" adjective है इस वाक्य में noun नहीं है, इसलिए ये वाक्य पूरी तरह से गलत है।
- Article का प्रयोग noun के पहले होता है।

  जैसे :- she is a student.

  Noun
- अगर noun की विशेषता बताने वाला adjective वाक्य में मौजूद हो तो article का प्रयोग adjective के पहले होगा।

  जैसे :- she is an excellent student.

  Adj. Noun
- अगर adjective की विशेषता बताने वाला adverb भी मौजूद हो तो article का प्रयोग adverb के पहले होगा।

  जैसे :- she is a very excellent student.

  Adv. Adj. Noun

Indefinite articles (A, An) का प्रयोग कहां किया जाता है?

1. A /An का प्रयोग अनिश्चित (Indefinite) singular countable Noun से पूर्व किया जाता है। (निश्चित होने पर Noun के पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है)

इसलिए A / An को Indefinite articles कहा जाता है ; जैसे :-

Ram is **a** student.

He sang **a** song.

This is **an** orange.

नोट :- 'Noise' uncountable Noun है। फिर भी इसके साथ Article 'a' का प्रयोग होता है।

जैसे :- Do not make a noise.

नोट :- अंग्रेजी भाषा में A,E,I,O,U स्वर से पहले हम An का प्रयोग करते हैं। लेकिन हम हिन्दी में

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

आने वाले स्वर अ,आ,इ,ईउ,ऊ,ए,ऐ...को प्राथमिकता (priority) देते है ,अगर अंग्रेजी भाषा के किसी शब्द का उच्चारण (pronounciation) अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ... से शुरु हो रहा हो तो हम an का प्रयोग करते हैं। जैसे-

An Umbrella	अंब्रेला
A Union	यूनियन
A One rupee note	वन
A Europe	यू
An honest man	ऑनेस्ट

ABBREVIATION में भी उच्चारण के अनुसार चलें।

जैसे :-He is **an** MLA / MP(एम.एल.ए./ एम.पी)
He lodged **an** FIR. (एफ.आई.आर.)

कुछ अन्य उदाहरण

an IAS, **an** SDO, **an** X-ray machine, **an** LLB, **an** hour, **an** heir, **an** honest, **An** honour, **An** honorable person, **An** heir, **A** house, **An** honorarium, **A** historical monument, **An** eagle, **A** European, **A** University **A** unique planet, **A** one-rupee note **An** F.O, **A** member of parliament etc.

2. Exclamatory वाक्य में ' What / how ' के बाद व singular Countable nouns से पूर्व A / An का प्रयोग किया जाता है ;

जैसे :- (a) what a grand building!
(b) what a pretty girl!

3. 'प्रतिमाह' या 'प्रति वस्तु कीमत ' के संदर्भ में प्रयोग करने पर A / An का प्रयोग किया जाता है।

जैसे:-This car runs twenty kilometers a litre.
I earn Rs. Ten thousand **a** month.
This train runs seventy kms. **an** hour.

4. कुछ गिनती बताने वाले शब्द जैसे :- hundred, thousand, million, dozen, couple से पूर्व 'a' लगता है ।

जैसे :- A dozen pencils were bought by her.
I have **a** hundred pens.

5. जब वाक्य में **Verb** (क्रिया) का प्रयोग Noun की तरह किया जाता है, उससे पहले A / An लगाया जाता है। जैसे :-
(a) He goes for **a** walk daily.
(b) He has gone for **a** ride.
(c) I had **a** long talk with them.

6. Many / rather / quite / such के बाद यदि singular noun आता है तो noun के पूर्व A / An का प्रयोग किया जाता है; जैसे :-
(a) Many a citizens would welcome such a change.
(b) It is rather a pity.
(c) It was quite an impossible task.

A / An का प्रयोग निम्न स्थिति में नहीं करना चाहिए :-

कुछ phrases के साथ article का प्रयोग नहीं होता है जैसे :-

To loss heart, to set foot, to give ear, at home, last but not least, to catch fire, in hand, set on fire, by car/bus etc., at last, by mistake, in danger, to take heart.

जैसे :- (a) I am at home.
(b) the house was set on fire.
(c) I go to college by bus.

- किसी भी plural noun से पूर्व A / An का प्रयोग नहीं किया जाता है । **जैसे** :-
- A boys have come. (Incorrect)
- Boys have come. (correct)
- The boys have come. (correct)

(2) Uncountable nouns से पूर्व A /An का प्रयोग सामान्यतः नहीं किया जाता है ;

जैसे :- advice, accommodation, baggage, luggage, news, permission, progress, scenery, weather, traffic, knowledge, music, wine,

Noun (संज्ञा)

'किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun (संज्ञा) कहा जाता है।

A noun is a word for a person ,place or thing or idea.

'हर वो वस्तु जिसका नाम हो जिसे हम देख सकते हो , महसूस कर सकते हो, छू सकते हो noun कहलाता है **जैसे** :-

किसी person(व्यक्ति) का नाम :- boy ,rita etc.
Animals name:- cat ,cackroach etc.
Places name :- street ,banglore etc.
Objects name :- table , wire etc.
Substances name:- gold ,glass etc.
Qualities name:- Happines, sorrow etc.
Measures name :- inch ,pound etc.

Noun को सात प्रकार से बाँटा जा सकता है -

1. Proper Noun (व्यक्तिवाचक)
2. Common Noun (जातिवाचक)
3. Collective Noun (समूहवाचक)
4. Material Noun (द्रव्यवाचक)
5. Abstract Noun (भाववाचक)
6. Countable noun(संख्यावाचक)
7. Non-countable noun (असंख्यावक)

- Proper Noun, common noun ,collective noun and material noun इन्हें Concrete noun भी कहते हैं ये abstract noun के opposite (विपरीत) होते है ।
- concrete nouns ऐसी वस्तुओं के नाम होते हैं जिनका physical existence होता है ।

RULES TO FIND A NOUN
(NOUN की पहचान) :-

- By putting who, whom,what with work done(किसने काम किया) we find out noun. जैसे :- Sumit is playing football. (सुमित फुटबॉल खेल रहा है) अब आप खुद से सवाल करके noun पहचान सकते है इस वाक्य में **जैसे:-** who is playing? (कौन खेल रहा है) = सुमित (sumit) what is playing?(क्या खेल रहा है ?)=football यहाँ sumit and football दोनों noun है ।
- जिन वाक्यों के अंत: में नीचे दिये गये word जुड़े होंगें वो noun होगें **जैसे** :-

Ment = mangement , agreement
tion = station , vacation , foundation
th = growth, er = teacher
or = doctor, ty = honesty
ry = bravery, ce = advice
ledge = knowledge, dom = fredom ,wisdom
ics = physics, ship = friendship
sion = pension

(1) PROPER NOUN

Proper noun से हमारा तात्पर्य किसी विशेष(specific) व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के नाम से होता है।

जैसे: Mohan, Jaipur, Radha etc.

(a) **Mohan** is my friend.
(b) I live in **Delhi**.
(c) we are planning to go to **Pizza Hut**.
(d) There are many important documents at **The Library of congress**.

उपर दिए गये Ex(a) में mohan एक boy का proper name दिया हुआ है Ex(b) में delhi एक proper city का name है Ex(c) pizza hut एक proper restaurant का name दिया है और Ex(d) में **The Library of congress** एक library का proper name है इसलिए mohan, delhi ,pizza hut, **The Library of congress** यहाँ proper noun है ।

(2) COMMON NOUN

जिस Noun (संज्ञा) से एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु के नाम का बोध हो, उसे Common Noun(जातिवाचक संज्ञा) कहते हैं।

जैसे- boy, girl, Village ,city etc.

(a) According to the **Girl**, the nearest town is very far.
(b) The **Girls** are going to the nearest village.

दी गयी table से आप common noun और proper noun को और अच्छे से समझ सकते है -

Common Noun	**Proper Noun**
boy	Ram
girl	Rita
bridge	Mahatma Gandhi Bridge

city	Kanpur
book	war and peace
tower	Eifel tower
jeans	levis

(3) COLLECTIVE NOUN

collective noun एक ही प्रकार के लोगो ,जानवरों, वस्तुओ आदि के समूह (group) के नाम होते है I

A collective noun is a word used for a group of people ,animals and things etc.

examples :- Team, Committee, Army etc.

Other Example of Collective Noun :-

A **Pride** of Lions, A **Flock** of birds

A **herd** of cattle, A **class** of student

सामान्यत: Collective Noun का प्रयोग Singular में होता है। इनका प्रयोग Plural में तभी किया जाता है।

जब मतभेद दर्शाया जाए या फिर प्रत्येक सदस्य के बारे में कुछ कहा जाए।

(a) The **jury** is deciding the matter.

(b) The **flock** of geese spends most of its time in the pasture

(c) The **team** are divided over the issue of captainship.

यहाँ टीम एक लोगो के group का नाम है जो divide (अलग) हो गया है या group के प्रत्येक सदस्य की राय (opinion)अलग -अलग है इसलिए इस वाक्य में team' plural होगा I

(d) The **audience** have taken their seats.

यहाँ audience में प्रत्येक सदस्य(individual) की बात हो रही है इसलिए यहाँ 'audience'plural है।

(4) MATERIAL NOUN

Material noun ऐसी वस्तुओं के नाम को कहते है जो metal और substance (प्रदार्थ) हो और उनसे दूसरी वस्तुयें बनाई जा सकती हो I

जैसे: Gold, Silver, Zink, wood etc.

(a) The necklace is made of **gold.**

(b) He got his furniture made of teak **wood**.

Material Nouns, Countable नहीं होते हैं अर्थात् इनकी गिनती नहीं की जा सकती है। इन्हें मापा या तौला जा सकता है। इनके साथ सामान्यत: Singular verb का प्रयोग किया जाता है एवं इनके पहले Article का प्रयोग नहीं किया जाता है।

(5) ABSTRACT NOUN

Abstract Noun, ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था को व्यक्त करता है जिन्हें छूआ नहीं जा सकता है, देखा नहीं जा सकता है, बल्कि केवल महसूस किया जा सकता है।

जैसे: poverty, bravery, hatred, laughter, poverty, youth, Honesty.

Abstract Noun का प्रयोग सामान्यत: Singular में किया जाता है।

जैसे: (a) People respect their sincerity.

(b) Honesty is the best policy.

Noun को(A) Countable एवं (B) Uncountable में भी बाँटा जा सकता है।

(6) COUNTABLE NOUNS

Countable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना की जा सके। Countable noun singular और plural दोनों हो सकता है I

जैसे- (a) We bought six tables.

(b) I have a few friends.

(c) She saw many movies last month.

(7) NON-COUNTABLE NOUNS

Uncountable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना न की जा सके।

जैसे: (a) J. Priestly discovered oxygen.

(b) They decided to sell the furniture.

(c) Much money was wasted on the show.

Countable Noun: Stars, Seconds, Rupees etc.

Uncountable Noun:-Money, time, knowledge etc.

IMPORTANT RULE:-

RULE I

कुछ Nouns का प्रयोग हमेशा Plural form में ही होता है। इन Nouns के अन्त में लगे s को हटाकर, इन्हें

An assembly of listeners.
A gang of coolies.
A band of musicians.
A gang of labourers.
A band of pilgrims.
A pack of thieves.
A bevy of ladies/girls/women.
A panel of judges/experts.
A class of students.
A regiment of soldiers.
A stuff of employee.
A team of players.
A troupe of dancers/actors/acrobats.
A mob of rioters.
A choir of singers.
A chest of drawers.
A company of boy.
A group of dancers
A crew of sailors.
A flock of tourists.
A crowd of people/spectators.
The council of ministers.

Collective nouns denoting a group of animal

A kennel of dogs
A shoal of fishes
A litter of puppies/kittens/cubs
A troop of monkeys
A gaggle of gees.
A team of horses/ducks/oxen.
A murder of crows.
A covey of quails
A pride of lions.
An army of ants.
A pride of peacocks
A flock of sheep/goat.
A parliament of owls
A flock of birds
A school of fish/dolphin
A herd of elephants
A pack of wolves
A herd of cows

A cete of badgers. (cete remains one of the great mysteries of the classic collective nouns from the middle English era)
An immersion of Baptists. (A baptism in which the entire body is dipped in water)
A fixture of barnacles. (The act of process of attachment)
A wad of bills. (A soft mass or plug of a material)
A Peloton of bicyclists. (large group of clustered riders in a professional bicycle road race)

1. A collective noun is a **singular** noun and is followed by a singular verb **if it is used as a single body or group**.

The **jury is** still out. Or, the **jury was** unanimous in its decision.

The **family is** living together now.

2. A **collective nouns** is used as a **plural noun** and is followed by a plural verb **if they are used as individuals**.

The **jury were** divided in their opinions.

The **family were** living in different places.

NOUN-GENDER

Gender को चार भागों में विभाजित किया गया है:

(1) Masculine Gender (पुल्लिंग):- ऐसे Noun जो male sex को व्यक्त करते हैं, Masculine Gender कहलाते है जैसे : Tiger, Power, Violence, Father, Sun, Summer, Time, Thunder etc.

(2) Feminine Gender (स्त्रीलिंग):- ऐसे Noun जो Female sex को व्यक्त करते हैं, Feminine Gender कहलाते हैं जैसे Tigress, Woman, Lioness, Mother, Sister, Peace, Nature, Earth, Goddess etc.

(3) Common Gender (उभय लिंग):- ऐसे Noun जो स्त्री एवं पुरुष दोनों के लिए प्रयुक्त होते हैं, Common Gender कहलाते है जैसे Child, Baby, Teacher, Servant, Student, Cousin, Infant, Thief, Neighbour etc.

(4) Neuter Gender (नपुंसक लिंग):- ऐसे Noun जो उन निर्जीव वस्तुओं को व्यक्त करते हैं जो न male हैं और न female Neuter Gender कहलाते है Copy, Book, Room, Paper, T.V., Box, etc.

Changing masculine noun to feminine noun

RULE 1

कुछ cases में Masculine noun के बाद 'ess' लगाने से feminine noun बनाया जा सकता है। जैसे:

Masculine	**feminine**
Author (लेखक)	Authoress
Host (मेजबान)	Hostess
Jew	Jewess
Mayor	Mayoress
Poet (कवि)	Poetess
Tutor	Tutoress
Heir	Heiress

RULE 2-

कुछ cases में Masculine Noun के अन्तिम vowel एवं उसके पहले आने वाले consonant को हटाकर 'ess' जोड़ने से भी Feminine noun बन जाता है। जैसे:-

Masculine	**feminine**
Actor	Actress
Benefactor	Benefactoress
Hunter	Hunteress
Prince	Princess
Waiter	Waitere
Tiger	Tigeress

RULE 3

कुछ cases में Masculine Noun के शब्दों में कुछ change किया जाता है एवं अन्त में 'ess' लगाने पर Feminine Noun बन जाता है।

Masculine	**Feminine**
Emperor	Empress
God	Goddess
Duke	Duchess
Master	Mistress

RULE 4

कुछ cases में Compound Masculine Noun के first अथवा second शब्द में कुछ परिवर्तन किये जाता है। जैसे:-

Masculine	**Feminine**
Man-servant	Maid servant
Washerman	Washerwoman
Buck-rabbit	Doe-Rabbit
Brother-in-law	Sister-in-law
Bull-calf	Cow-calf
Milkman	Milkmaid
Peacock	Peahen
Landlord	Landlady

Noun number (singular – plural):-

Number: If a Noun tells about one or more than one is called Number **Kind of Number** (अगर noun हमे ये बताता है की वो एक है या एक से अधिक है तो उसे number कहा जाता है। ये दो प्रकार के होते हैं -

(a) Singular Number: If a Noun tells about only one ,is called Singular Number. (अगर noun केवल एक के बारे में वता रहा हैं तो वह एकबचन संख्या (singular number) कहलाता है जैसे – boy, girl, pen etc.

Modal Verbs

Modals एक ऐसी सहायक क्रिया है जो वाक्यों के formation यानि बनावट में मदद करती है। इन्हे सामान्यतः Modal Auxiliary verb या केवल Modal verb के नाम से जाना जाता है/ कहते हैं.

Modal verbs का प्रयोग वाक्य के मुख्य क्रिया के साथ समर्थता, संभावना, गुण, आज्ञा, संभावना, आवश्यकता आदि को व्यक्त करने के लिए किया जाता है।

Modals का प्रयोग निम्न प्रकार से किया जाता है-

Use of May:-

May का अर्थ होता है- सकना ।

- **Factual probability, Possibility (तथ्यात्मक सम्भावना) के लिए MAY का प्रयोग किया जाता है। जैसे :-**

Example:-

आज वर्षा हो सकती हैं।

it is likely to rain today

It is possible that it will rain today.

It will probably rain today.

it may rain today.

- **Permission (आज्ञा लेना) माँगने और देने के लिए MAY का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-**

Example:-

May I come in? (माँगना)

Yes you may . (देना)

May I use your two pen? (माँगना)

You may use one pen. (देना)

- **Good wishes, Blessing, Hope (शुभ कामनाएँ, आशिर्वाद) के लिए MAY का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-**

Example:-

I wish you a long life.

May you live long!

May you live happily!

- **Purpose (उद्देश्य) के लिए May का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-**

Work hard so that you may pass.

Use of Might:-

- 'MIGHT' may की past form होती है।

Example:-

It Might rain tomorrow.

He worked hard so that he might pass.

- **To show lesser possibility कम सम्भावना व्यक्त करने के लिए MIGHT का प्रयोग किया जाता है**

Example:-He might attend the party.

He might be hungry.

Use of Can:-

Can का अर्थ होता है सकना

- **To show ability, capacity, Skill (योग्यता व क्षमता दर्शाने में) के लिए can का प्रयोग किया जाता है**

Example:-I am capable of speaking English.

I can speak English.

He is able to solve your problem.

He can solve your problem.

- **To give permission (आज्ञा देना) के लिए can का प्रयोग किया जाता है**

Example:- You are allowed to go.

You can go.

- **To show theoretical possibility (सैद्धान्तिक सम्भावना दर्शाने में) can का प्रयोग किया जाता है ।**

Example:-Smoking can cause cancer.

Use of Could:-

can के past tense के रूप में could का प्रयोग होता है । जैसे:-

Example:-

I did all that I could.

- **To show past ability (भूतकाल की योग्यता दर्शाने में) could का प्रयोग किया जाता है ।**

Example:-

He was able to speak English, when he was at school.

He could speak English, when he was at school.

- **To show lesser possibility (कम सम्भावना व्यक्त करने में) could का प्रयोग किया जाता है।**

  Example:-ravi could be at office.

  Anything could be happen.

- **Optative sentence (आज्ञासूचक वाक्यों में) Can से अधिक नम्र रूप में could का प्रयोग किया जाता है।**

  Example:-Could we go now ?

  Could I use your books ?

To show "What to do क्या करना चाहिए बताने में could का प्रयोग किया जाता है।

Example:-You could revise your lesson at least once a week.

Use of Shall :-

To show simple future with I We (सामान्य भविष्य) के लिए shall का प्रयोग किया जाता है

Example:-I shall go to Kolkata tomorrow.

Promise command, order, threat warning except I/We (वादा, आदेश, धमकी व चेतावनी देने में) shall का प्रयोग किया जाता है।

Example:-You shall defeat the enemy

You shall never come late in school

Suggestions offers (सुझाव, प्रस्ताव) ये वाक्य हमेशा प्रश्नवाचक होते हैं। इनके लिए shall का प्रयोग किया जाता है।

Example:- Shall we go for a picnic ?

Use of Should :-

Advice, suggestion (Hell) के लिए Should का प्रयोग किया जाता है।

Example:-You are advised to take some rest now.

You should take some rest now.

I advise you to work hard.

You should work hard.

To show Moral obligation and duty (नैतिक दायित्व) के लिए Should का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-

It is our moral duty to help the needy.

We should help the needy.

Students should obey teachers.

To show the weak probability in condition sentences (भविष्य की शर्त वाले वाक्यों में क्षीण सम्भावना के लिए)।

Example:-

If it should be necessary, we are ready to use our deposits.

Should it be necessary, we are ready to use our deposits.

If you should meet Ram, ask him to see me.

Should you meet Ram, ask him to see me.

If it should rain, our teacher will not come.

Lest के बाद should का प्रयोग किया जाता है।

Example:-

Work hard lest you should fail.

To express assumption or probability (सम्भावना व्यक्त करने के लिए)

He **should** be tired.

Ram **should** solve my problem.

Polite request (विनम्र निवेदन) के लिए should का प्रयोग किया जाता है।

Example :-

I should like you to help my friend.

Use of Will:-

To express volition (इच्छा व्यक्त करने में) will का प्रयोग किया जाता है।

Example:-

I will try to do better the next time.

I will succeed in first attempt.

I will return your book tomorrow.

To express assumption or probability (सम्भावना व्यक्त करने के लिये willl का प्रयोग किया जाता है)

Example:-

That will be our servant, I think.

This will be the book you want, I suppose

Promise command, order, threat, warning with I / We (वादा, आदेश, धमकी व चेतावनी देने में willl का प्रयोग किया जाता है)

CHAPTER – 5

ACTIVE AND PASSIVE VOICE

I	me
He	him
She	her
They	them
We	us
You	you
Name	Name
It	It

(1). **Present indefinite:-**

Active:-Sub.+ verb(1) + O(1) +O(2)

O= Object

Passive:-O(1) + is/are/am + verb(3) + O(2) + by +sub.

Ex. :- I call him in the market.

He is called in the market by me.

Ex. :- you help me in this work.

I am helped in this work by you.

Ex. :- I invite her at my house.

She is invited at my house by me.

Negative :-

Active :- Sub.+ do not / does not + verb(1) + O(1) + O(2).

Passive:-O(1) + is/are /am + not + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- she does not cook food for us.

Food is not cooked for us by her.

Ex.:- I do not send them to my home.

They are not sent to my home by me.

Interrogative :-

Active :- Do/does+ sub. + verb(1) + O(1) + O(2)

Passive:-Is/are/am + O(1)+ verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- Do I call him in the market.

Is he called in the market by me.

Ex.:- Does he beat us with a stick.

Are we beaten with stick by him.

Ex.:- Does Ram take me there.

Am I taken there by Ram.

Ex.:- Do you buy a house in Jaipur.

Is a house bought in Jaipur by you.

Interrogative negative :-

Active :- Do/does + sub.+ not + O(1) + O(2)

Passive:-Is/are/am +O(1) + not + verb(3) + O(2) + by+ sub.

Ex. :- Does he not dig some holes in the ground.

Are some holes not dug in the ground by him.

Ex.:- Do we not write a book for them.

Is a book not written for them by us.

Present continuous :-

Active :- Sub + is/are/am + verb(ing) + O(1) +O(2)

Passive:-O(1) + is/are/am +being + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- I am driving a car in the ground.

A car is being driven in the ground by me.

Ex.:- she is cooking food for us.

Food is being cooked for us by her.

Negative:-

Active :- sub. + is/are/am+ not + verb(ing) + O(1) + O(2)

Passive:-O(1) + is/are/am + not + being + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex. :- Ram is not planting some plants there.

Some plants are not being planted there by Ram.

Ex. :- my father is not giving me some money.

I am not being given some money by my father.

Interrogative :-

Active :- Is/are/am + sub. + verb(ing) + O(1) + O(2).

Passive:-Is/are/am + O(1) + being+ verb(3) + O(2) + by + sub

Ex.:- is she making a chair for us.

Is a chair being made for us by her.

Ex.:- are you help me in this work.

Am I helped in this work by you.

Interrogative negative :-

Active :- Is/are/am + sub. + not + verb(ing) + O(1) +O(2)

Passive:-Is/are/am +O(1) +not + being + verb(3) + O(2) + by+ sub.

Ex.:- are you not lending me some money.

Am I not being lent some money by you.

Ex.:- is he not buying some books for us.

Are some books not being bought for us by him.

Rule No. -I :- object -2 से भी passive voice बनाया जा सकता है लेकिन केवल उसी परिस्थिति में O(2) से passive बनाया जाता हैं तों object -I को ज्यों का त्यों verb की 3rd form के बाद लिख दिया जाता हैं।

लेकिन उससे पहले To preposition का प्रयोग करते हैं।

Ex.:- I am giving him some books.

Some books are being given to him by me.

Ex.:- we are not landing them a book.

Book is not being lent to them by us -O(2) से

They are not being lent a book by us - O(1) से

Present perfect tense :-

Active :- Sub. + has/have + verb(3) + O(1) + O(2)

Passive:-O(1) + has/have + been + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- she has provided him some books.

Some books have been provided to him by her. -O(2) से बनाया

He has been provided some books by her.- O(1) से बनाया.

Ex.:- He has seen me with Ram.

I have been seen with Ram by him.

Negative :-

Active :- sub.+ has/have + not + verb(3) + O(1) + O(2)

Passive:-O(1) +has/have + not + been + verb(3) + O(2) +by + sub.

Ex.:- He has not lent her some money.

She has not been lent some money by him.

Ex.:- she has not seen me with Ram.

I have not been seen me with Ram by her.

Interrogative :-

Active :- Has/Have + sub.+ verb(3) + O(1) + O(2)

Passive :- Has/Have +O(1) +been + verb(3) + O(2) +by +sub.

Ex.:- Have you given them some books.

Have they been given some books by you.- O(1) से बनाया

Have some books been given to them by you. - O(2) से बनाया

Interrogative negative :-

Active :- Has/Have +sub. + not+ verb(3) + O(1)+ O(2).

Passive :- Has/Have + O(1) + not + been + verb(3) + O(2) + by + sub.

Ex.:- Has Ram not planted some plants there.

Have some plants not been planted there by Ram.

Have you not invited them in this party.

Have they not been invited in this party by you.

Past indefinite :- सामान्यत: passive बनाते समय sub को by के साथ वाक्य के अंत में लिख दिया जाता है। लेकिन कुछ ऐसे Noun और Pronoun होते हैं। जिन्हे by के साथ वाक्य के अंत

		concealed (अप्रत्यक्ष)	
96.	Miserable	Sorrowful (दुःखी)	Joyful, Happy, Jolly, Cheery, Festive, Merry
97.	Obscene	Indecent (घिनौना)	Decent, Pure, Clean, Beautiful, Virgin, Elegant, Polite, Genteel
98.	Obstinate	Stubbornly refusing to change one's opinion or chosen course of action, despite attempts to persuade one to do so (जिद्दी)	Flexible, Docile, Submissive, Compliant, Agreeable
99.	Predilection	A preference or special liking for something / a bias in favour of something (पूर्वाभिरुचि)	Enmity, Dislike, Aversion, Allergy, Distaste
100.	Virtue	Behaviour showing high moral standards (सदाचार)	Vice, Iniquity, Evil, Weakness, Dissipation , Immorality

Some other important Antonyms

Kindle	Extinguish
Shallow	Deep
Lenient	Harsh
Accord	Dissent
Start	Finish
Universal	Regional
Bright	Dull
Ancestor	Descendants

Synthetic	Natural
Bliss	Sorrow
Deep	Shallow
Unstable	Steady
Validate	Disprove
Judicious	Indiscreet
Juxtaposition	Separation
Offer	Request

Minor	Major
Gorgeous	Plain
Former	Latter
Appropriate	Unskilled
Rabid	Rational
Opaque	Transparent
Fraternity	Hostility
Fool	Intelligent
Ruthless	Merciful

Absurd	Rational
Attract	Repel
Ascent	Descent
Authentic	Spurious
Barbarous	Civilized
Barren	Fertile
Benevolent	Malevolent
Boisterous	Placid
Certain	Precarious
Cheap	Dear

Censure	Praise
Coarse	Fine
Definite	Vague
Delay	Haste
Dexterity	Impotency
Earthly	Celestial
Emancipate	Enslave
Fabulous	Real
Freedom	Slavery
Fraud	Integrity
Gaiety	Mourning
Generosity	Stinginess
Hypocrisy	Sincerity
Hide	Divulge
Infringe	Obey
Insult	Esteem
Insipid	Tasty
Jump	Sink, drop
Justice	Partiality
Keen	Indifferent
Keep	Discard
Lethargic	Smart

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

शिक्षण अभिक्षमता

(Teaching Aptitude)

अध्याय- 1
शिक्षण अधिगम
(Teaching learning)

शिक्षण से तात्पर्य :-
शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण सबसे प्रमुख है । शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है । शिक्षण शब्द शिक्षा से बना है , जिसका अर्थ शिक्षा प्रदान करना है ।
शिक्षण की प्रक्रिया मानव व्यवहार को परिवर्तित करने की तकनीक है अर्थात् शिक्षण का उद्देश्य व्यवहार परिवर्तन है ।
शिक्षण एवं अध्ययन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें बहुत से कारक शामिल होते हैं। सीखने वाला जिस तरीके से अपना लक्ष्यों की ओर बढ़ता हुआ नया ज्ञान, आचार और कौशल को समाहित करता है ताकि उससे सीखने के अनुभवों में विस्तार हो सके । वैसे ही ये सारे कारक आपस में संवाद की स्थिति में आते रहते हैं ।
पिछली सदी के दौरान शिक्षण पर विभिन्न किस्म के दृष्टिकोण उभरे हैं। इनमें एक है ज्ञानात्मक शिक्षण, जो शिक्षण को मस्तिष्क की एक क्रिया के रूप में देखते हैं ।
दूसरा है रचनात्मक शिक्षण जो ज्ञान को सीखने की प्रक्रिया में की गई रचना के रूप में देखता है ।
इन सिद्धांतों को अलग-अलग देखने के बजाए इन्हें संभावनाओं की एक ऐसी श्रृंखला के रूप में देखा जाना चाहिए , जिन्हें शिक्षण के अनुभवों में पिरोया जा सकें । एकीकरण की इस प्रक्रिया में अन्य कारकों को भी संज्ञान में लेना जरुरी हो जाता है । ज्ञानात्मक शैली , शिक्षण शैली , हमारी मेधा का एकाधिकार स्वरूप और ऐसा शिक्षण जो उन लोगों के काम आ सके जिन्हें इसकी विशेष जरुरत है और जो विभिन सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि से आते हैं ।

अधिगम से तात्पर्य :-
सीखना या अधिगम (Learning) एक व्यापक सतत् एवं जीवन पर्यन्त चलने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रिया है । मनष्य जन्म के उपरान्त ही सीखना प्रारंभ कर देता है और जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता है । धीर-धीरे वह अपने वातावरण से समायोजित करने का प्रयन्न करता है । इस समायोजन के दौरान वह अपने अनुभवों से अधिक लाभ उठाने का प्रयास करता है । इस प्रक्रिया को मनोविज्ञान में सीखना कहते हैं, जिस व्यक्ति में सीखने की जितनी अधिक शक्ति होती है उतना ही उसके जीवन का विकास होता है। सीखने की प्रक्रिया में व्यक्ति अनेक क्रियाएँ एवं उपक्रियाएँ करता है। अतः सीखना किसी स्थिति के प्रति सक्रिय प्रतिक्रिया है ।
उदाहरणार्थ :- छोटे बालक के सामने जलता दीपक ले जाने पर वह दीपक की लौ को पकड़ने का प्रयास करता है । इस प्रयास में उसका हाथ जलने लगता है। वह हाथ को पीछे खींच लेता है। पुनःजब कभी बालक के सामने दीपक लाया जाता है तो वह अपने पूर्व अनुभव के आधार पर लौ पकड़ने के लिए हाथ नहीं बढ़ाता है वरन् उससे दूर हो जाता है ।
अर्थ :- अधिगम व्यवहार में वांछित व स्थाई परिवर्तन होना कहलाता है ।

अधिगम की परिभाषाएँ :-
1. **वुडवर्थ के अनुसार**, "अधिगम विकास की प्रक्रिया है।
2. **स्किनर के अनुसार**, "व्यवहार के अर्जन में उन्नत की प्रक्रिया है ।
3. **गिलफोर्ड के अनुसार**, " व्यवहार के कारण व्यवहार में परिवर्तन होना ।
4. **गेट्स व अन्य**, " प्रशिक्षण व अनुभव द्वारा व्यवहार में होने वाला परिवर्तन , अधिगम है ।
5. **क्रो एण्ड क्रो**, " आदत , ज्ञान एवं अभिवृत्तियों का अर्जन करना ही अधिगम है ।
6. **पील के अनुसार**, " व्यक्ति में होने वाला परिवर्तन जो वातावरण के अनुसरण में होता है ।
7. **मॉर्गन / किंग के अनुसार** , "अभ्यास व अनुभति के परिणाम स्वरूप व्यवहार में होने वाला परिवर्तन , अधिगम है ।

अर्थ पर दृष्टिकोण :-
1. व्यवहारवादी - वातावरण व अनुभव से होने वाला परिवर्तन अधिगम है ।
2. गैस्टाल्टवादी - सम्पूर्ण स्थिति के सम्पूर्णता की प्रतिक्रिया अधिगम है ।

3. हार्मिक दृष्टिकोण – अधिगम , लक्ष्य केन्द्रित व्यवहार होता है ।
4. क्षेत्रिय दृष्टिकोण – अधिगम , किसी भी स्थिति का प्रत्यक्ष ज्ञान होता है ।

अधिगम की संकल्पना / प्रकृति :-

1. अधिगम निरन्तर सतत् चलता रहता है ।
2. व्यवहार के वांछित परिवर्तन
3. सार्वभौमिक होता है
4. अधिगम व्यक्तिगत / सामाजिक प्रक्रिया है ।
5. अधिगम सकारात्मक / नकारात्मक दोनों ही होता है ।
6. उद्देश्य पूर्ण होता है ।
7. अधिगम ज्ञानात्मक / भावात्मक / क्रियात्मक
8. अधिगम, उद्दीपक व अनुक्रिया में संबंध स्थापित करता है ।
9. अधिगम, समस्या समाधान करने की प्रक्रिया है ।
10. अधिगम, अनअधिगम होता है ।
11. अधिगम स्थानान्तरण प्रक्रिया है ।
12. अधिगम प्रक्रिया है ।
13. अधिगम परिणाम है, लेकिन परिणाम नहीं है ।
14. अधिगम विवेकपूर्ण / संक्रिया / रचनात्मक / जटिल प्रक्रियण है ।

अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक :-

1. व्यक्तिगत कारक (अधिगमकर्त्ता)

i. अभिप्रेरणा – अधिगम को सर्वाधिक प्रभावित करने कारक तथा अधिगम का सर्वश्रेष्ट राजमार्ग , अभिप्रेरणा होता है ।
ii. इच्छा शक्ति
iii. शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य
iv. रुचि
v. ध्यान / अवधान
vi. थकान
   (A) संवेदनाएँ
   (B) प्रत्यक्षीकरण
   (C) स्मृति, आकांक्षा , संवेग
   (D) अहरग्रस्ता
vii. आयु / परिपक्वता

Note :- परिपक्वता से होने वाला परिवर्तन अधिगम की श्रेणी में नही आता है ।

परिपक्वता	**अधिगम**
1. स्वाभाविक	नियोजित
2. वंशानुक्रम	वातावरण
3. जन्मजात	अर्जित
4. निर्धारित समय तक चलती है	निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया
5. शारीरिक प्रक्रिया	मानसिक मनोवैज्ञानिक
6. आवश्यक नही	अभ्यास व अभिप्रेरणा आवश्यक है ।

2. शिक्षक संबंधित कारक :-

1. विषय वस्तु का प्रस्तुतीकरण
2. निपूणता
3. मानसिक स्वास्थ्य
4. व्यक्तित्व
5. शिक्षक विधियाँ

3. कार्य (TASK) संबंधित कारक :-

1. कार्य की उपयोगिता
2. कार्य की रोचकता
3. कार्य की समानता
4. कार्य की लंबाई
5. कार्य की कठिनाई

4. वातावरण कारक

भौतिक	सामाजिक	सांस्कृतिक
जलवायु	परिवार	रीति रिवाज
तापमान	विद्यालय	परम्पराएँ
	समूह	अंधविश्वास
	पड़ोसी	

5. संगठन संबंधित कारक :- जो अधिगम को प्रभावित करते हैं ।

1. बालक व शिक्षक के संबंध
2. आत्मनुशासन
3. समय सारणी
4. निर्देशन / परामर्श
5. बैठने की व्यवस्था

अधिगम की प्रक्रिया (Process of learning)

1. हिलगार्ड – अधिगम की प्रक्रिया पर हिलगार्ड अपनी पुस्तक Theories of Learning लिखी
बताया की, " अधिगम प्रक्रिया , क्रिया से प्रारंभ होती है ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के सिद्धान्त :-

- **साहचर्य वादी**

1. **अनुकरण सिद्धान्त :-** अनुकरण का सिद्धान्त प्लेटो और अरस्तु के उपज है इसके अनुसार अधिगम की प्रक्रिया में सुनी हुई बात के अपेक्षा देखी हुई या किसी परिस्थिति में घटित हुई बात का प्रभाव अधिक होता है कि विद्यार्थी शिक्षक का अनुकरण (नकल) करते हैं।
2. **प्रयत्न एवं भूल का सिद्धान्त :-** इस सिद्धान्त का प्रतिपादक थार्नडाईक को माना जाता है। उनके अनुसार अधिगम परिस्थिति और उसके परिणामों के बीच पारस्परिक संबंधों का परिणाम है।
   किसी कार्य को करने का प्रयत्न तो कोई भी कर सकता है किन्तु उसमें सुधर मस्तिष्क की विशेष प्रक्रिया है। मस्तिष्क विकसित होता जाता है, और जीरो एरर की स्थिति आदर्श होती है। नए प्रयोग और नई खोज आदि के लिए यह सिद्धान्त अत्यन्त उपयोगी है।

व्यवहारवादी :-

1. **पावलाव का सिद्धान्त :-** इसे पावलाव का अनुकूलित सिद्धान्त क्लासिकी अनुबंध / शास्त्रीय अनुबंध सिद्धान्तवाद भी कहते हैं। यह व्यवहारवादी सिद्धान्त है। इसको मानने वालों में पावलाव, स्किनर, वाटसन आदि हैं। पावलाव ने कुत्तों पर, स्किनर ने चूहों पर और वाटसन ने खरगोश के बच्चों पर प्रयोग किये। इस सिद्धान्त में स्वाभाविक उद्दीपक के साथ कृत्रिम उद्दीपक को इस प्रकार अनुबंधित किया जाता है।
2. **स्किनर का सिद्धान्त :-** इसे क्रियाप्रसूत अनुबंध का सिद्धान्त भी कहते हैं। यह एक अधिगम प्रक्रिया है। जिसके द्वारा अधिगम अनुक्रिया को अधिक संभाव्य और द्रुत बनाया जा सकता है। मानव का समग्र व्यवहार क्रियाप्रसूत पुनर्बलन है।
   इसका प्रयोग चूहे और कबूतर पर किया था।

गेस्टाल्टवादी :-

1. **सूझ का सिद्धान्त :-** व्यवहारवादी वैज्ञानिकों ने पशु – पक्षियों पर प्रयोग निष्कर्ष मानव के अधिगम से जोड़े जो अधिगमकर्ता को स्वीकार नहीं था। इन वैज्ञानिकों का मानना है कि कुछ सभ्यता तो हो सकती है लेकिन मानव का अधिगम पूरी तरह पशु-पक्षियों के भांति नहीं हो सकता है। इस सिद्धान्त प्रतिपादन कोह्लर ने 1917 में चिम्पाजी (सुल्तान नाम) पर किया था।

इसके 3 नियम दिये 1. समानता 2. निकटता 3. निरन्तरता

अधिगम का उपागम :-

कार्य नीति के आधार पर अधिगम के 3 उपागम होते हैं। जो निम्न प्रकार है।

तल (bottom)	नितल (Intensive)	कार्य नीति उपागम
अधिक अंक प्राप्त करने के लिए रहना	अधिक अंक के लिए समझना या संबंध स्थापित करना	**तल-नितल** इसमें कैसे भी परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने के अनुसार रटना या समझाना दोनों करते हैं।

शिक्षक की भूमिका :-

1. अन्त: दृष्टि पर बल
2. सामान्यीकरण योग्यता का विकास
3. सामान्य बुद्धि का विकास
4. समान विधियाँ
5. उदाहरण देकर समझना
6. समझकर सीखना

अधिगम के प्रतिफल (Out comes of learning)

- सीखने सिखाने की प्रक्रिया के दौरान बालक ने क्या सीखा है इसको जाँचने की व्यवस्था को अधिगम के प्रतिफल कहते हैं।

उपयोगिता :-

- RTE 2009 के तहत शिक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना।
- शिक्षण की गुणवत्ता की जाँच करना।
- शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति की जाँच करने में उपयोगी।
- निदानात्मक / उपचारात्मक शिक्षण में उपयोगी।
- शैक्षिक स्तर को उन्नत करने में उपयोगी।
- अभिभावकों को जागरूक बनाने में उपयोगी।

विशेषताएँ :-

- अधिगम प्रतिफल सतत् रूप में चलते हैं।
- दीर्घकालिक / निरन्तरता
- वृतिलाकार
- मात्रात्मक + गुणात्मक
- लचीलापन

महत्वपूर्ण प्रश्न

Q. सफल शिक्षक वह कहलाता है जो छात्रों की –

A. इच्छानुसार कक्षा में पढ़ाता है ।

B. कमजोरियों को नजरअंदाज करता है ।

C. अंतर्निहित संभावनाओं का विकास करता है ।

D. कक्षा में मित्रवत व्यवहार करता है।

उत्तर : (c)

Q. आपके प्रश्नों का उत्तर एक छात्र अंशतः शुद्ध देता है तो –

A. उसे वैसा छोड़ देंगे ।

B. शुद्ध उत्तर स्वयं बता देंगे

C. छात्रों से शुद्ध उत्तर प्राप्त करने का प्रयास करेंगे

D. शुद्ध उत्तर नही बताएंगे

उत्तर : (c)

Q. छात्रों की चोरी की प्रवृति को रोकने के लिए आप क्या करेंगे ?

A. कक्षा में उनको बेइज्जत करेंगे

B. प्रधानाचार्य को बताएंगे

C. चोरी के कारणों का पता लगाकर उनका निदान करेंगे

D. पुलिस की सहायता लेंगे

उत्तर : (c)

Q. प्रारम्भिक शिक्षा व्यवस्था में बच्चे विद्यालयों से विरत हो जाते –

A. शिक्षक उनकी उनकी हाजिरी लेने में कठोरता नहीं करते

B. उनकी आंशिक परिस्थिति एवं अन्य दशाएँ अनुकूल नही होनी

C. विद्यालय में शिक्षक प्रेरित नहीं कर पाते

D. शिक्षकों की संख्या अधिक होती है

उत्तर : (B)

Q. अध्यापक को स्वाध्याय में लिप्त देखकर छात्र के मन में –

A. स्वाध्याय की भावना जागृत होती है

B. स्वाध्याय की भावना कुछ – कुछ जागृत होती है

C. कोई भावना जागृत नहीं होती है

D. पढने में विरह उत्पन्न हो जाती है

उत्तर : (A)

Q. छात्रों में खेल के प्रति रुचि पैदा करने हेतु आप क्या करेंगे ।

A. स्वयं उसके साथ खेलेंगे

B. विभिन्न खेलों से सम्बन्धित खिलाडियों के उदाहरण देंगे

C. खेलों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे

D. उन्हें खेलने का कहकर स्वयं अन्य काम करेंगे

उत्तर : (A)

Q. यदि आपके विद्यालय में भिन्न – भिन्न जाति वाले शिक्षक है ?

A. कोई उदाहरण नहीं करेंगे

B. उनसे विशेष संबंध नहीं रखेंगे

C. केवल अपने विषय वाले शिक्षकों से संपर्क रखेंगे

D. अपने कार्य से मतलब रखेंगे

उत्तर : (A)

Q. गृह कार्य छात्रों को स्वध्याय प्रेमी तो बनाता है इसके साथ – साथ छात्रों में –

A. तर्कशक्ति एवं विचार शक्ति उत्पन्न करता है

B. घुमने की प्रवृति को कम कर देता है

C. मनोरंजन की भावना को कम कर देता है

D. थकान उत्पन्न करता है

उत्तर : (A)

Q. विद्यालय में कार्य करते समय बिना जानकारी में आपसे कोई अपराध हो गया है ?

A. चुपचाप रहेंगे

B. इसकी जानकारी अपने अधिकारी को देंगे

C. इसे छिपाने की कोशिश करेंगे

D. पश्चाताप की अग्नि में जलते रहेंगे

उत्तर : (B)

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Q. निर्देश्रकर्ता का लक्ष्य होता है। कि वह व्यक्ति में विकास करे ?

A. सूझबूझ का

B. उचित परामर्श प्रदान करने का

C. दुर्बलताओं के समाधान का

D. सृजनशीलता का

उत्तर : (A)

Q. व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से प्रशंसा को तकनीकी भाषा में कहा जाता है ?

A. अनुशासन

B. पुरस्कार

C. छात्रों में मतभेदता

D. कुशल प्रबंधन करने में सहादर

उत्तर : (D)

Q. शिक्षण में कुशलता के लिए आवश्यक नहीं है?

A. छात्रों के समुदाय का होना

B. शिक्षण का उच्च कुल से सम्बन्धित होना

C. शिक्षक की बच्चों में सहज रुचि

D. शिक्षक में छात्र – समस्या का समाधान करने की क्षमता

उत्तर : (C)

Q. कक्षा – शिक्षण की व्यवस्था निर्भर होती है ?

A. प्रधानाचार्य की शैक्षिक योग्यता पर

B. शिक्षक की शैक्षिक निपुणता पर

C. अन्य शिक्षकों के सहयोग पर

D. विद्यालय की परिस्थिति पर

उत्तर : (c)

Q. पाठ्य – पुस्तकों से सहायता मिलती है ?

A. शिक्षण कार्य ठीक से संचालित करने में

B. परीक्षा पास करने में

C. गृहकार्य पूरा करने में

D. समय बिताने में

उत्तर : (b)

Q. विद्यालय में सामूहिक – शिक्षण की व्यवस्था की जाती क्योंकि-

A. शासन ऐसा चाहता है

B. शिक्षकों को इसमें सहायता होती है

C. गृहकार्य पूरा करने में

D. विद्यार्थियों की संख्या कम होती है

उत्तर : (c)

Q. एक ही विधि से शिक्षण करना विद्यार्थियों के-

A. शारीरिक विकास के लिए घातक हो सकता है

B. सर्वंगीण विकास के लिए बाधक हो सकता है

C. विषय संबंधी बहुविध जानकारी में बाधक हो सकता है

D. शिक्षक के प्रति समभाव रह सकता है

उत्तर : (b)

Q. हर शाला में प्राचार्य होता है ? जिससे –

A. विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके

B. विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति ठीक रहे

C. विद्यालय का प्रयवेक्षण सुनिश्चित किया जा सके

D. विद्यालय की समय – तालिका निर्धारिण में मदद मिलें।

उत्तर : (b)

अभ्यास प्रश्न

Q. छात्रों को मूल्यों की शिक्षा देना आवश्यक है क्योंकि ?

A. इससे उनका बौद्धिक विकास बढ़ेगा

B. यह भी एक शिक्षा है

c. उनमें सद्गुणों के प्रति आस्था और सजगता बढ़ेगी

D. माता-पिता प्रसन्न होगें।

उत्तर : (c)

Q. छात्रों मे श्रम के महत्व के विकास हेतु ?

A. शिक्षक को स्वयं श्रम करना चाहिए

B. छात्रों को श्रमजीवी लोगों के उदाहरण देने चाहिए

C. छात्रो को समय-समय पर श्रम करने का अवसड़ देना चाहिए

D. श्रम के महत्व पर भाषण देना चाहिए

उत्तर : (c)

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=1253s

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (Ist Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp - https://wa.link/l6dgy4

Online order - https://bit.ly/bstc-notes

Call करें - 9887809083